JAL-1601030301030502 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

November – 2019

Hindi : Paper - 5 (Elective - 2)

(Hindi Ka Rashtriya Chetna Sampanna Kavya - Jay Birsa)

(Optional Paper) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं।
(२) दायीं ओर प्रश्न के गुण दर्शाये गये हैं।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

१ 'जय बिरसा' खंडकाव्य के आधार पर 'बिरसा' की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। १४

अथवा

१ 'जय बिरसा' खंडकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। १४

२ खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'जय बिरसा' की समीक्षा कीजिए। १४

अथवा

२ 'जय बिरसा' खंडकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। १४

३ '' 'जय बिरसा' खंडकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का सुभग समन्वय हुआ है।'' सिद्ध कीजिए। १४

अथवा

३ 'जय बिरसा' खंडकाव्य में निरूपित स्वातंत्र्य–संग्राम पर प्रकाश डालिए। १४

४ '' 'जय बिरसा' खंडकाव्य में व्यक्त लौकिकता एवं अलौकिकता का समन्वय हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए। १४

अथवा

४ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुण्डा का स्थान स्पष्ट कीजिए। १४

५ टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं दो) १४

(१) 'जय बिरसा' में व्यक्त परतंत्रता।

(२) 'जय बिरसा' के शीर्षक की सार्थकता।

(३) 'जय बिरसा' में व्यक्त आदिवासी जन–चेतना।

(४) 'जय बिरसा' खंडकाव्य का अंत।